>

Title : Need for a joint strategy to deal with increasing Naxalite activities in the country.

श्री विलास मुत्तेमवार (नागपुर): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे एक महत्वपूर्ण प्रश्न पर अपनी बात कहने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं।

अभी तीन दिन पहले छत्तीसगढ़ में नक्सलवादी कार्रवाई में करीबन 31 पुलिसकर्मी तथा एक एस.पी. की वहां मौत हो गई है। नक्सलवादियों की ओर से जो हलचल या एक्टिविटी चल रही है, वह एक खतरनाक अनुपात में अपने पंख दिन-ब-दिन पसार रही है। इनकी गतिविधियां केवल एक राज्य तक सीमित नहीं हैं। लगभग प्रतिदिन सुरक्षा एजेंसियों के लोग और अन्य लोग नक्सलवादियों के हमलों के शिकार होते जा रहे हैं। नक्सलवादी पूरी तरह से आधुनिक और नए हथियारों से लैस हैं। वे ए. के. 47, राइफल, मोर्टार, ग्रेनेड, आर.डी.एक्स. आदि से लैस हैं और देश के विभिन्न भागों में गोरिल्ला हमले करने के लिए ये लोग प्रशिक्षित हैं। आजकल इनकी गतिविधियां छत्तीसगढ़, उससे लगे महाराष्ट्र, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, जो एक दूसरे से सटे हुए राज्य हैं, उन राज्यों में इनकी गतिविधियां सीमित हैं। वे अपनी गतिविधियां इन क्षेत्रों में इसलिए भी सीमित रखते हैं, ताकि एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने पर इनके लिए कोई खतरा नहीं है। महाराष्ट्र में खासतौर पर गढ़चिरौली, गोंदिया, चंद्रपुर, भंडारा और यवतमाल जिलों में भी आतंकवादी और नक्सलवादी गतिविधियां काफी अधिक हैं। छत्तीसगढ़ में कुछ होता है, तो महाराष्ट्र में इन जिलों में रेड-अलर्ट जारी होता है। वहां लोगों को सचेत रहने की सूचनाएं दी जाती हैं।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने भी नक्सलवाद के खतरों के बारे में संबंधित राज्यों और प्राधिकारियों के साथ एक बैठक करके महसूस किया कि नक्सलवाद का खतरा आतंकवादी खतरे से भी ज्यादा गंभीर है। नक्सली समस्या एक गहरी समस्या बन गयी है और इसे नियंत्रित करने की बहुत जरूरत है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अर्ज करना चाहता हूं कि इस समस्या को गांधीवादी और शांतिपूर्ण तरीकों से भी सुलझाया जा सकता है। गांधी जी ने हमेशा अहिंसा और आपसी सहनशीलता का उपदेश दिया और इस पर जोर दिया कि दुनिया में ऐसी कोई समस्या नहीं है, जो शांतिपूर्ण ढंग से न सुलझायी जा सके। इस बात के भी प्रयास किए जाने चाहिए कि अपने युवा वर्ग को हम समझायें।

महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि पाकिस्तान, बंगलादेश या चीन के साथ अगर हमारे संबंध कभी खराब हो गए, तो शांतिपूर्वक ढंग से उनको सुलझाने के लिए सरकार अगुवाई करती है, तो क्या इन राज्यों में जो नक्सलवादी गतिविधियां हैं, जो दिन-ब-दिन एक नए रोग स्वरूप होती जा रही है, उसे रोकने की कोई कवायद नहीं होनी चाहिए? एक ज्वाइंट आपरेशन की जरूरत है। एक राज्य में गतिविधियां बढ़ गयीं, तो वे दूसरे राज्य में शिफ्ट हो जाते हैं। आडवाणी जी पहले गृहमंत्री थी, अभी चिदंबरम जी हैं, जो इसके पहले भी गृह मंत्री थे, तब ज्वाइंट आपरेशन की बात हुयी, लेकिन उस पर अमल नहीं हुआ। वे सारी सुविधाएं जो युद्ध में लगती हैं, वे सारी सुविधायें और तंत्र इन नक्सलवादियों के पास हैं। मैं समझता हूं कि इस समस्या को शांतिपूर्ण ढंग से हल किया जाए या फिर ज्वाइंट आपरेशन के माध्यम से हल किया जाए। यही कहने के लिए मैं आज खड़ा हुआ हूं।

इन्हीं शब्दों के साथ, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, आपको धन्यवाद देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं।